CBSE Test Paper 03

Ch-10 सियाराम शरण गुप्त

1. एक फूल की चाह कविता में सुखिया के पिता को मंदिर में देखकर भक्तों ने क्या-क्या कहना शुरू कर दिया?
2. एक फूल की चाह कविता में देवी के भक्तों ने सुखिया के पिता पर क्या आरोप लगाया?
3. मरघट पहुँचकर सुखिया के पिता ने क्या देखा? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।
4. मनुष्य होने की गरिमा किस तरह नष्ट की जा रहीं थी? एक फूल की चाह कविता के आधार पर बताइए।
5. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया? 'एक फूल की चाह' कविता के आधार पर लिखिए।
6. मन्दिर से प्रसाद लेकर लौटने के बाद पिता की स्थिति का वर्णन कीजिए। 'एक फूल की चाह' कविता के आधार पर लिखिए।
7. एक फूल की चाह कविता में निहित सामाजिक समस्या को स्पष्ट करते हुए बताइए कि आज की परिस्थितियों में इस समस्या के समाधान के लिए क्या संशोधन किये गये हैं?
8. निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौन्दर्य लिखिए-
   ऊँचे शैल शिखर के ऊपर
   मंदिर था विस्तीर्ण विशाल।
   स्वर्ण कलश सरसिज विहँसित थे,
   पाकर समुदित रवि-कर जाल।

CBSE Test Paper 03

Ch-7 सियाराम शरण गुप्त

Answer

1. अपनी बेटी की इच्छा को पूरी करने के लिए देवी का प्रसाद स्वरूप फूल लेने सुखिया के पिता को मंदिर में देखकर भक्तों ने कहा कि इस अछूत ने मंदिर में घुसकर भारी पाप कर दिया है। उसने मंदिर की चिरकालिक पवित्रता को नष्ट कर दिया है।

2. देवी के भक्तों ने सुखिया के पिता पर आरोप लगाया कि उसने अछूत होने के कारण देवी के मंदिर की शुद्धता व पवित्रता को भंग करके बड़ा भारी अनर्थ किया है।

3. मरघट पहुँचकर सुखिया के पिता ने देखा कि उसकी जान-पहचान के लोग उसकी बेटी को फैंक चुके हैं तथा उसकी बेटी राख की ढेरी में परिवर्तित हो चुकी थी।

4. भक्तगण मनुष्य होकर भी एक मनुष्य सुखिया के पिता को जाति के आधार पर पापी मान रहे थे, उसे अछूत मान रहे थे। इस तरह वे मनुष्य होने की गरिमा नष्ट कर रहे थे।

5. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को राख की ढेरी के रूप में पाया। वह मर चुकी थी, अत: उसे सुखिया के परिचितों ने मरघट पर फेंक दिया था। वह राख की ढेरी बन चुकी थी।

6. मन्दिर से प्रसाद लेकर लौटने के बाद पिता को फूल ले जाते हुए लोगों ने पकड़ लिया और अछूत कहकर उसका तिरस्कार किया। उसे जेल में सात दिन बिताने पड़े।

7. इस कविता में कवि ने सामाजिक अन्याय का चित्रण किया है। अछूत कहे जाने वाले वर्ग के प्रति समस्या अत्यन्त असहिष्णु है। बालिका की प्रसाद का फूल पाने की इच्छा का यह परिणाम हुआ है कि उसका पिता सात दिन तक जेल में कैद रहा तथा अपमान और पीड़ा झेलने को विवश हुआ।
   वर्तमान परिस्थितियों में भेदभाव करने वाले व्यक्तियों को कड़ा दण्ड दिये जाने का विधान है। तथाकथित अछूत वर्ग को सरकार और समाज की ओर से समस्त सुविधाएँ दी जा रही हैं। उन्हें नौकरियों एवं शिक्षण-संस्थाओं में आरक्षण दिया जा रहा है। उनकी आर्थिक और सामाजिक दशा को सुधारने के लिए बैंक सस्ती ब्याज दर पर उन्हें कर्ज दे रहे हैं।

8. इन काव्य पंक्तियों में पर्वत चोटी पर बने मंदिर की विशालता एवं सुंदरता का प्रभावी चित्रण किया गया है। मंदिर के ऊपर स्वर्ण कलश सूर्य की किरणों के प्रभावस्वरूप कमल जैसे खिले प्रतीत होते हैं। यह दृश्य अत्यंत मनोहारी प्रतीत होता है। ‘शैल शिखर' 'विस्तीर्ण विशाल' में अनुप्रास अलंकार की छटा है। उपमा एवं रूपक अलंकारों का प्रयोग हुआ है।